डा0 राम मनोहर लोहिया अवध वि0वि0, फैजाबाद

दिनांक : 28.08.2017

प्रेस विज्ञप्ति (निःशुल्क प्रकाशनार्थ)

19 वर्षों के अंतराल पर ''स्पिक मैके'' के अंतर्गत विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ अन्तर्राष्ट्रीय कलाकारों का कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानन्द सभागार में आज अपरान्ह 1 बजे से 2:30 बजे तक शास्त्रीय संगीत के अन्तराष्ट्रीय ख्यातिलब्ध कलाकार पं0 रितेश मिश्र एवं पं0 रजनीश मिश्र की संगीतमयी प्रस्तुति का आनन्द छात्र समुदाय ने लिया।

ज्ञात हो कि ''स्पिक मैके'' के अवध विश्वविद्यालय चैप्टर के अंतर्गत 1998 के उपरांत कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित की पहल पर आज अन्तराष्ट्रीय स्तर के शास्त्रीय संगीत गायक पं0 रितेश एवं रजनीश के कार्यक्रम का प्रस्तुतीकरण हुआ। उक्त अवसर पर विवेकानन्द सभागार छात्र, कर्मचारियों, शिक्षको से पूरी तरीके से भरा रहा।

लगभग डेढ धंटे तक चले शास्त्रीय संगीत के उक्त कार्यक्रम मे पं0 रितेश एवं रजनीश मिश्र ने अपने सह कलाकारों, तबले पर अनुराग मिश्र एवं हारमोनियम पर, दुर्गेश भौमिक के साथ राग वंदावनी सारंग के अंतर्गत मध्य लय झपताल एवं द्रुत लय तीन ताल को प्रस्तुत किया। उक्त प्रस्तुतीकरण के अंतर्गत शासत्रीय संगीत की विभूतियों ने ''तुम रब तुम ही साहिब तुम ही करतार'' एवं ''जाओ मैं तोपे बलिहारी, तू ही मोरा मन–हर लीन्हो'' बोल के साथ शास्त्रीय संगीत के झपताल एवं तीनताल विधाओं का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के पूर्व स्पिक मैके संस्था के फैजाबाद–ईकाई की पदाधिकारी श्रीमती जया स्वरुप ने सभागार में उपस्थित छात्र–छात्राओं को स्पिक मैके के इतिहास के बारे मे बताते हुए कहा कि इसके अंतर्गत होने वाले कार्यक्रम भारतीय संस्कृति एवं संगीत परम्परा के संरक्षण से जुडे रहते हैं और इनका मुख्य उददेश्य छात्र–छात्राओं को भारतीय संस्कृति के साथ साथ भारतीय संगीत की विभिन्न विधाओ से परिचित कराना है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में जिंगल बेल सोसायटी की अध्यक्षा एवं फैजाबाद की प्रमुख समाजसेविका श्रीमती मंजुला झुनझुनवाला भी उपस्थित रहीं।

कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित ने इस अवसर पर पं0 रजनीश एवं रितेश मिश्र के साथ साथ उनके सहकलाकारों एवं मुख्य अतिथि श्रीमती झुनझुनवाला को विश्वविद्यालय का स्मृति चिन्ह एवं उत्तरीय प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के उपरांत इस अवसर पर उपस्थित समुदाय को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि स्पिक मैके युवा वर्ग को भारतीय संस्कृति की जडो से जोडने की दिशा में अदभुत तरीके से कार्य कर रहा है। यह हर स्तर पर प्रशंसनीय है। कुलपति ने स्पिक मैके के पदाधिकारियो को आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय का प्रांगण आगे से हमेशा स्पिक मैके के अंतर्गत आमंत्रित किए जाने वाले अन्तराष्ट्रीय कलाकारो के लिए उपलब्ध रहेगा। कुलपति ने कहा कि हर परम्परा का अपना एक अनुशासन होता है और युवा पीढी को इसे समझने के साथ–साथ आत्मसात करने की भी आवश्यकता है, तभी हम अपना साांस्कुतिक संरक्षण करने में सफल हो सकेंगे।

कार्यक्रम क संचालन माइक्रोबायलोजी विभाग के शिक्षक डा0 शैलेन्द्र कुमार ने किया। अतिथियें का स्वागत अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 आशुतोष सिन्हा ने किया। कलाकारों से परिचय बायोकेमेस्टी विभाग के शिक्षक डा0 फारुख जमाल ने कराया तथा धन्यवाद ज्ञापन समाज कल्याण विभाग के शिक्षक डा0 विनय मिश्रा ने किया।

विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी राकेश कुमार त्रिपाठी, विश्वविद्यालय सभा के डा0 ओम प्रकाश सिंह सहित विश्वविद्यालय के अधिकतर शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नोट : फोटो मेल पर संलग्न है।

मीडिया प्रभारी